



Ganisha thakur

19 May 2025

12:32 PM

Una

Model: web-freekundliweb

Order No: 121432402

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 19/05/2025
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 12:32:00 घंटे
इष्ट _____: 17:44:18 घटी
स्थान _____: Una
राज्य _____: Himachal Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 31:28:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:24:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:07:16 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:30 घंटे
साम्पातिक काल _____: 03:56:06 घंटे
सूर्योदय _____: 05:26:16 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:16:33 घंटे
दिनमान _____: 13:50:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 04:20:58 वृष
लग्न के अंश _____: 09:14:22 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: मकर - शनि
नक्षत्र-चरण _____: श्रवण - 3
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: ब्रह्म
करण _____: विष्टि
गण _____: देव
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष

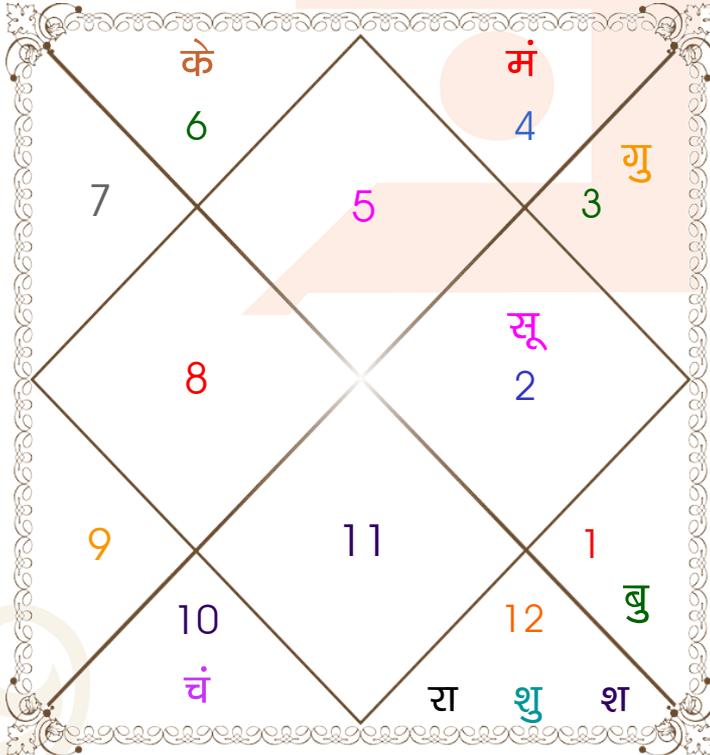
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	09:14:22	306:38:57	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			वृष	04:20:58	00:57:46	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	19:31:59	13:03:36	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	20:14:11	00:30:24	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	नीच राशि
बुध	अ		मेष	21:49:52	01:58:13	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			मिथु	00:59:05	00:13:00	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	19:09:27	00:51:02	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	उच्च राशि
शनि			मीन	05:19:33	00:04:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		मीन	00:51:03	00:01:30	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	00:51:03	00:01:30	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:09:42	00:03:30	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:23:14	00:01:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	09:33:27	00:00:24	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	06:56:41	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

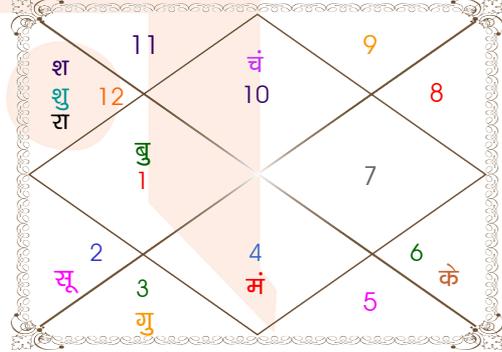
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:43

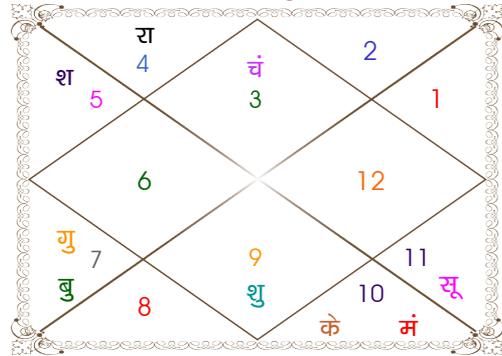
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 10 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
19/05/2025 25/03/2028	25/03/2028 26/03/2035	26/03/2035 25/03/2053	25/03/2053 25/03/2069	25/03/2069 25/03/2088
00/00/0000	मंगल 21/08/2028	राहु 06/12/2037	गुरु 14/05/2055	शनि 28/03/2072
00/00/0000	राहु 09/09/2029	गुरु 01/05/2040	शनि 24/11/2057	बुध 06/12/2074
00/00/0000	गुरु 16/08/2030	शनि 08/03/2043	बुध 01/03/2060	केतु 15/01/2076
00/00/0000	शनि 24/09/2031	बुध 24/09/2045	केतु 05/02/2061	शुक्र 17/03/2079
19/05/2025	बुध 21/09/2032	केतु 12/10/2046	शुक्र 07/10/2063	सूर्य 27/02/2080
बुध 25/06/2025	केतु 17/02/2033	शुक्र 12/10/2049	सूर्य 25/07/2064	चंद्र 27/09/2081
केतु 24/01/2026	शुक्र 19/04/2034	सूर्य 06/09/2050	चंद्र 24/11/2065	मंगल 06/11/2082
शुक्र 24/09/2027	सूर्य 25/08/2034	चंद्र 07/03/2052	मंगल 31/10/2066	राहु 12/09/2085
सूर्य 25/03/2028	चंद्र 26/03/2035	मंगल 25/03/2053	राहु 25/03/2069	गुरु 25/03/2088

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
25/03/2088 26/03/2105	26/03/2105 26/03/2112	26/03/2112 26/03/2132	26/03/2132 27/03/2138	27/03/2138 00/00/0000
बुध 22/08/2090	केतु 22/08/2105	शुक्र 27/07/2115	सूर्य 14/07/2132	चंद्र 25/01/2139
केतु 19/08/2091	शुक्र 23/10/2106	सूर्य 26/07/2116	चंद्र 12/01/2133	मंगल 26/08/2139
शुक्र 19/06/2094	सूर्य 27/02/2107	चंद्र 27/03/2118	मंगल 20/05/2133	राहु 24/02/2141
सूर्य 25/04/2095	चंद्र 29/09/2107	मंगल 27/05/2119	राहु 14/04/2134	गुरु 26/06/2142
चंद्र 24/09/2096	मंगल 25/02/2108	राहु 26/05/2122	गुरु 31/01/2135	शनि 25/01/2144
मंगल 21/09/2097	राहु 14/03/2109	गुरु 24/01/2125	शनि 13/01/2136	बुध 20/05/2145
राहु 10/04/2100	गुरु 18/02/2110	शनि 26/03/2128	बुध 19/11/2136	00/00/0000
गुरु 17/07/2102	शनि 30/03/2111	बुध 25/01/2131	केतु 26/03/2137	00/00/0000
शनि 26/03/2105	बुध 26/03/2112	केतु 26/03/2132	शुक्र 27/03/2138	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 9 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय हैं। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्यमान हैं। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक हैं। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगे।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नहीं करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृत्ति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृत्ति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नहीं सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।